Roll No. ……..

BASL–202

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं भारतीय संस्कृति

कला में स्नातक (बीए–12/16) संस्कृत

Second Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 60**

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों का चयन करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भर्तृहरि का परिचय देकर उनकी कृतियों का वैशिष्ट्य लिखिये।
2. सिद्ध कीजिये कि विशाखदत्त एक सफल नाटककार थे।
3. रामायण का विस्तृत मूल्यांकन कीजिये।
4. वर्णाश्रम व्यवस्था का विस्तृत वर्णन कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'नीतिशतकम्' का प्रतिपाद्य लिखिये।
2. 'वैराग्यशतक' की विशेषताएँ लिखिये।
3. पण्डितराज जगनाथ की रचनाएँ लिखिये।
4. काव्यगुणों का वर्णन कीजिये।
5. कादम्बरी का कथानक लिखिये।
6. सुबन्धु का परिचय दीजिये।
7. संस्कृति एवं सभ्यता में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिये।
8. संस्कृति के समाजशास्त्रीय अर्थ पर प्रकाश डालिये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रामायण के रचयिता हैं :
   (क) तुलसीदास
   (ख) बाल्मीकि
   (ग) नाभादास
   (घ) सूरदास

2. रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्। किस आचार्य ने कहा है ?
   (क) कालिदास
   (ख) जगन्नाथ
   (ग) भारवि
   (घ) दण्डी

3. 'मुद्राराक्षस' किसकी रचना है ?
   (क) जयदेव
   (ख) विशाखदत्त
   (ग) दण्डी
   (घ) भास

4. आश्रम कितने हैं ?
   (क) 6
   (ख) 4
   (ग) 10
   (घ) 3

5. 'किरातार्जुनीयम्' एक नाटक है अथवा महाकाव्य ?
   (क) नाटक
   (ख) प्रकरण
   (ग) महाकाव्य
   (घ) इनमें से कोई नहीं

6. हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ..... । किस ग्रन्थ में है ?
   (क) शिशुपाल वध

(ख) किरातार्जुनीयम्

(ग) शाकुन्तलम्

(घ) इनमें से कोई नहीं

7. अर्थगौरव के लिये प्रसिद्ध कवि हैं :

(क) माघ

(ख) भारवि

(ग) जयदेव

(घ) कालिदास

8. सुबन्धु हैं :

(क) नाटककार

(ख) कथाकार

(ग) गद्यकार

(घ) इनमें से कोई नहीं

9. उपनयन में 'उप' शब्द का अर्थ है :

(क) बाद में

(ख) समीप

(ग) अन्त में

(घ) दूर

10. चूड़ाकरण संस्कार को उपनयन के समय भी किया जा सकता है, ऐसा किस आचार्य का मत है ?

(क) पारस्कर

(ख) याज्ञवल्क्य

(ग) आश्वलायन

(घ) मरीचि